रात्रिक्लास 29-8-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

बच्चे जानते हैं हम विश्व में शान्ति का राज्य स्थापन कर रहे हैं। अभी चाहते हैं विश्व में शान्ति। उन बिचारों को यह पता नहीं विश्व में शांति कब और कैसे होती है। उसमें क्या 2 होता है। जब विश्व में शान्ति थी तो जरूर हेविन था। शान्ति का स्थान तो है ही ब्रह्मलोक। जो सूर्यवंशी चन्द्रवंशी के भी उस पार है। वह तो मांगते हैं इस विश्व में शान्ति हो। उनको यह चित्र दिखाया जाये विश्व में शान्ति यह है। विश्व तो सदैव रहती ही है। विश्व में शान्ति और विश्व में अशान्ति। शान्ति तुम बच्चे स्थापन कर रहे हो। और अनेक वार तुमने विश्व में शान्ति स्थापन की है। इसको ही रामराज्य कहा जाता है। यह तो बाप का ही काम है विश्व में शान्ति का राज्य स्थापन करना। तुम बच्चे जानते हो हम विश्व में शान्ति का राज्य स्थापन कर रहे हैं। अभी तो है प्रजा का प्रजा पर राज्य। बाप ही नहीं। निधणके बच्चे, वहां शान्ति कैसे होगी। बच्चों को नशा है हम श्रीमत पर विश्व में शान्ति का राज्य स्थापन कर रहे हैं। उनको ही स्वर्ग कहते हैं। तुम बच्चे अच्छी रीति समझा सकते हो। स्कूल में भी तुम सर्विस कर सकते हो। बाप का वरसा भारत को था। अब नहीं है फिर बाप से वरसा मिलता है। तुम ब्रह्मा कुमार कुमारियां हजारों की अंदाज में हो। दिन प्रति दिन वृधि को पाते जावेंगे। वन्देमातरम गाते हैं परन्तु कौन सी मातायें यह नहीं जानते। मातायें ही स्वर्ग की द्वार खोलती हैं। माताओं के सिर पर कलश रखा जाता है। शादी में कलश रखते हैं ना। ज्योत जगाते हैं। यह सभी हैं निशानियां। जैसे और दिन होते हैं वैसे यह भी एक रसम है। सतयुग में सभीका ज्योत जगी हुई थी। अभी फिर तुम्हारी ज्योत जग रही है। बाप पढ़ा रहे हैं। बाप आया था जरूर। परन्तु कितना समय रहा यह किसको भी पता नहीं। कैसे, किसके रथ में आया कितना दिन रहा। आया था जरूर। इसलिए शिवरात्रि मनाते हैं। भगवान आकर सभी रूहों को वरसा देते हैं। तुम जानते हो हम आत्मायें इस शरीर द्वारा पार्ट बजाते हैं। आत्मा सुनती है। यहां आत्माभिमानी बनाया जाता है। बाप कहते हैं अपने को आत्मा बाप को याद करो। मैं आया हूं अब मुझे अपना बनाओ। रथ सहित समझाते हैं। प्रतिज्ञा पालन करेंगे, बाप के बनेंगे तो बाप से बेहद का वरसा मिलेगा। यहां है अपार दुःख। अनेक प्रकार के दुःख हैं ना। तुम जानते हो वहां दुःख की बात ही नहीं। इस रावण राज्य में अनेक दुःख हैं। देवताओं के राज्य में दुःख का नाम नहीं। विश्व में शांति थी ना। पुरानी विश्व में शांति हो न सके। पुरानी तो बहुत बड़ी, नई तो छोटी होती है। एक धर्म एक राज्य होता है। तुम कहते थे आप आवेंगे तो आप को बनावेंगे अपना। उठ आया हूं तुम बाप का परिचय देने कितना माथा मारते हो। तुम अभी जाते हो स्वर्ग में। आगे स्वर्ग पिछाड़ी में नर्क है। बताना है नर्क को लात मारते हैं। अभी स्वर्ग में जा रहे हैं। ऐसे2 भी चित्र बनेंगे। भल एक ही बड़ा चित्र हो जो अन्यन्य आठ बच्चे हों। उनका चित्र बनावेंगे। सफेद पोश अन्यन्य भाई। जैसे नलनी का बनाया था ना सी नो ईवील .. तो अभी ख्याल होता है चित्र में तुम्हारा क्यों न बनावे। जैसे कृष्णका बनाया है। तुम्हारे हाथ में स्वर्ग का गोला हो। यह बाबा जैसे कि डायरेक्शन दे रहे हैं। जाते भी तुम ही हो ना। ब्राह्मणों का राईट चित्र हो जावेगा। शिव बाबा स्वर्ग की स्थापना कर रहे हैं। शिव बाबा चित्र तो कोई बन न सके। इनका बन सकता है। आगे चल युक्तियां निकलती जावेंगी। वास्तव में त्रिमूर्ति गोला, झाड़, ल०ना०, यह चित्र भी बहुत है। तुम सभी अर्थ सहित समझते हो। यथार्थ अर्थ तुम समझते हो। यह बड़े2 स्प्रीचुअल युनिवर्सिटी कहे जाते हैं। तुम्हारी पढ़ाई लिए बड़े2 तख्त भी नहीं है। तुम साधारण बैठे हो। बाप कहते हैं घर2 में पाठशाला खोलो। चालीसस्टम में बड़े2 गीतापाठी पढ़ाते थे। राजयोग की गीता है ना। नालेज बड़ी सहज ते सहज है। बाप का वरसा तो बादशाही तुम्हारी है ही। बेहद की बादशाही में तुम चले जावेंगे। यहां जितनी धारणा हो सकती है वहां अपने गांव में नहीं इसलिए बच्चे आते हैं रिफ्रेश होने। यहां कोई गोरख धंधा नहीं। यहां बाप आत्माभिमानी बनाते हैं। सभी कुछ भूलाते हैं। शरीर का भान छोड़ दो। तुम्हारे लिए दुनिया है नहीं। बाप को याद करते हो। बाप आये हैं इस दुनिया को भुलाने। इस योग से कितनी शान्ति रहती है। विश्व में शान्ति स्थापन करने लिए तुम गोप-गोपिकायें बनती हो। अच्छा रूहानी बच्चों को रूहानी बाप दादा का याद प्यार गुडनाईट। और नमस्ते।